12.01.2026

NAVBHARAT TIMES

ठिठुरती दिल्ली, तपता कर्तव्य

मिलिए दिल्ली के 'कोल्ड वॉरियर्स' से

जब दिल्ली की ठिठुरती सुबह में शहर के लोग रजाई में दुबके होते हैं, तब कुछ हाथ ऐसे होते हैं जो सुन्न कर देने वाली हवाओं का सामना कर रहे होते हैं। वे हाथ- जो बस का स्टयरिंग थामते हैं, जो सुबह-सुबह आप तक खबरें और सामान पहुंचाते हैं, जो सड़कों पर ट्रैफ़िक संभालते हैं। आज बात उन 'कोल्ड वॉरियर्स' की, जिनकी ड्यूटी के आगे ठंड भी हार मान जाती है। टीम **NBT** की रिपोर्ट:

ट्रैफिक पुलिस

'ठंड की टेंशन नहीं, बेहतर सेवा देना ही प्राथमिकता'

'जब हम नौकरी जॉइन करते हैं, तब मौसम की परवाह नहीं करते। जब हम सड़क पर लोगों की मदद करते हैं, तो एक बेहद सुखद अहसास होता है।' यह कहना है तिमारपुर ट्रैफिक सर्कल के इंस्पेक्टर संतोष कुमार का। इंस्पेक्टर संतोष कुमार ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी सुबह 7 बजे से शुरू होकर रात 11 बजे तक चलती है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए रात में एक 'जेडीओ' (JDO) तैनात रहते हैं। उन्होंने साझा किया कि सर्दियों में जब गाड़ियां सड़क से तेज रफ्तार में गुजरती हैं, तो उनके साथ आने वाली हवा के ठंडे थपेड़े शरीर को लगते हैं, जो चुनौती को और बढ़ा देते हैं।

जब हम ड्यूटी पर होते हैं, तो ठंड की चिंता पीछे छूट जाती है। हमारी प्राथमिकता लोगों को जाम से बचाने की होती है।

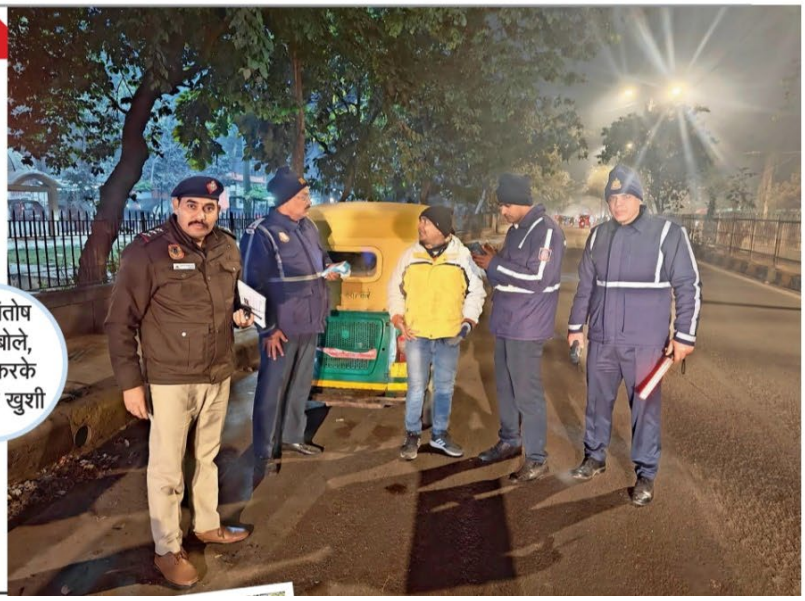

TI संतोष कुमार बोले, ड्यूटी करके मिलती है खुशी